

मुहावरे

विषय प्रवेश : कुछ ऐसे भले लोग होते हैं, जो भलमनसाहत में अपने साथ होने वाले अन्यायों और ज्यादतियों को बर्दाश्त कर लेते हैं, पर उनका विरोध करने की हिम्मत वे नहीं जुटा पाते। प्रस्तुत एकांकी की पात्र जूलिया ऐसी ही एक दबू और भोर महिला है, जो अन्याय सहकर भी खामोश रहती है। जिस व्यक्ति के बच्चों को वह पढ़ाती और उनकी देखभाल करती है, वह व्यक्ति उसे सबक सिखाने के लिए उसके साथ अन्याय करने का नाटक करता है। इस तरह वह जूलिया की आँखें खोलता है कि इस कठोर, निर्मम, क्रूर और हृदयहीन संसार में दबू और रीढ़ रहित लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है। उसे अपने आप को बचाए रखने के लिए निर्भीक होना पड़ेगा।

(1) कसर न छोड़ना।

अर्थ : (अपनी ओर से) पूरा-पूरा प्रयत्न करना।

(2) आँसू पीना।

अर्थ : घोर दुख होने पर भी शांत रहना।

(3) ठग लेना।

अर्थ : धोखा देना।

(4) हड़प लेना।

अर्थ : बेईमानी से अधिकार कर लेना। दूसरे की वस्तु हक़ कर जाना।

(5) सबक सिखाना।

अर्थ : दंड देना।

कृति-स्वाध्याय एवं उत्तर

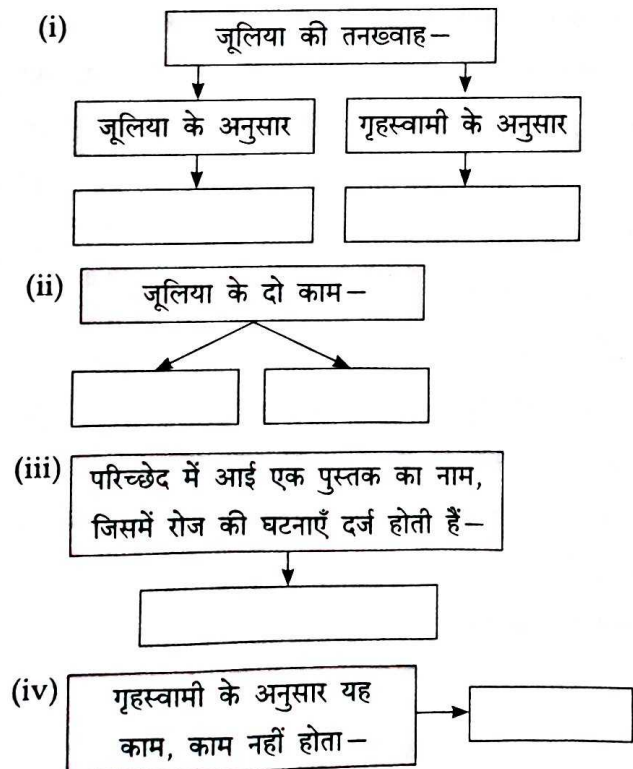
कृतिपत्रिका के प्रश्न 1 (क) तथा प्रश्न 1 (ख) के लिए

परिच्छेद क्र. 1

प्रश्न. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

कृति 1 : (आकलन कृति)

● आकृति पूर्ण कीजिए :



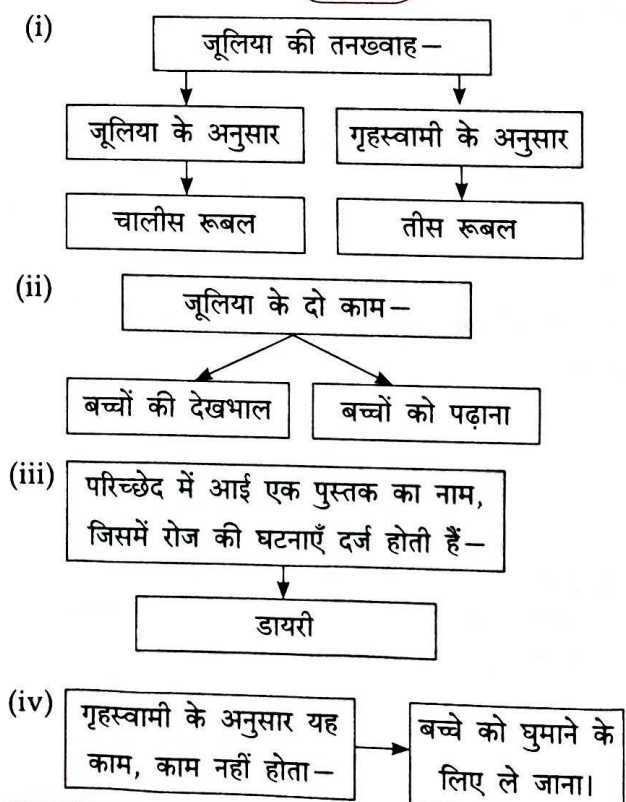
परिच्छेद क्र. 1 (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 15)

गृह स्वामी: जूलिया, मैं तुम्हारी ----- ठीक है न?

शब्दार्थ

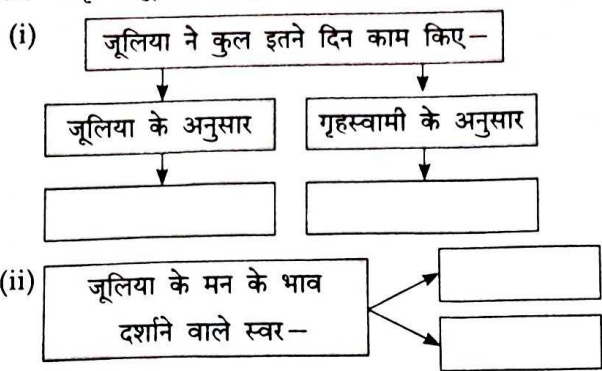
तनख्वाह — वेतन। रूबल — रूसी मुद्रा। डायरी — दैनिकी।
गवर्नेस — गृह शिक्षिका। नोट करना — दर्ज करना।

उत्तर



कृति 2 : (आकलन कृति)

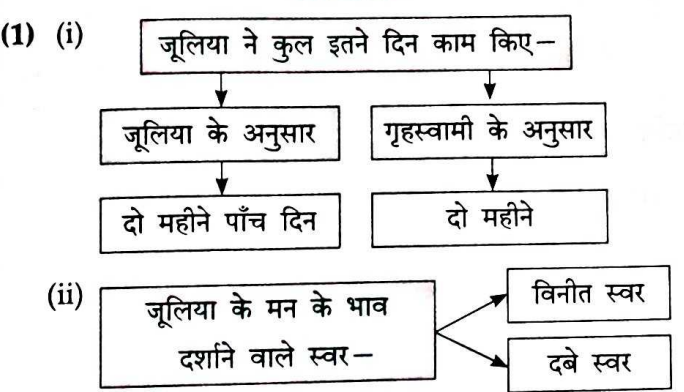
(1) आकृति पूर्ण कीजिए :



(2) परिच्छेद के आधार पर दो ऐसे प्रश्न बनाकर लिखिए, जिनके उत्तर ये हों :

- (i) पैसों की (ii) दो।

उत्तर



- (2) (i) गृहस्वामी के खयाल से जूलिया को किसकी जरूरत थी?
(ii) गृहस्वामी ने कितनी बार डायरी का वास्ता दिया?

कृति 3 : (शब्द संपदा कृति)

* (1) परिच्छेद में आए किन्हीं तीन अंकों का उपयोग कर मुहावरे लिखिए।

- (i)
(ii)
(iii)

* (2) नीचे दिए गए विरामचिह्नों के नाम लिखिए :

- (i) [] (ii) [!]

* (3) दिए गए वाक्यों में उचित विरामचिह्न लगाइए :

- (i) जीवन संग्राम में सब लड़ रहे हैं कुछ जीतेंगे कुछ हारेंगे
(ii) भरत भैया ऐसा न कहो

उत्तर

- (1) (i) **एक** • एक आँख से देखना –
अर्थ : सबको समान देखना।
• एक आँख न भाना –
अर्थ : बिलकुल न सुहाना।

- (ii) **दो** • दो कीड़ी का –
अर्थ : तुच्छ, नीच।
• दो टूक बात करना –
अर्थ : थोड़े शब्दों में स्पष्ट बात करना।
(iii) **तीस** • तीसमार खाँ बनना –
अर्थ : अपने को शूर-वीर समझना।

(2) (i) [] अल्पविराम (ii) [!] विस्मयादिबोधक चिह्न।

- (3) (i) जीवन संग्राम में सब लड़ रहे हैं; कुछ जीतेंगे, कुछ हारेंगे।
(ii) भरत भैया, ऐसा न कहो।

कृति 4 : (स्वमत अभिव्यक्ति)

* • 'यदि जूलिया की जगह आप होते, तो.....' विषय पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : जूलिया एक सीधी-सादी, डरपोक, दबू पर भली महिला है। उसकी इस भलमनसाहत का फायदा उठा कर लोग उसे धोखे से ठगते रहे हैं। गृहस्वामी धोखे से उसके तय किए हुए वेतन से 10 रूबल काट लेता है। दो महीने पाँच दिन काम करवा कर उसे केवल दो महीने के पैसे देने की बात करता है और इतवार की छुट्टियों के भी पैसे काट लेता है। जूलिया उफ़ तक नहीं करती। यह उसके साथ सरासर अन्याय है। गृहस्वामी ने खुलेआम जूलिया को ठग लेने, धोखा देने और उस पर अत्याचार करने का काम किया है। अत्याचार सहन करना अपने आप पर अत्याचार करना होता है। यदि मैं जूलिया की जगह होता, तो मैं अपनी सच्चाई पर अड़ा रहता और किसी भी हालत में यह अन्याय सहन नहीं करता। मैं अपना हक कभी नहीं छोड़ता।

परिच्छेद क्र. 2

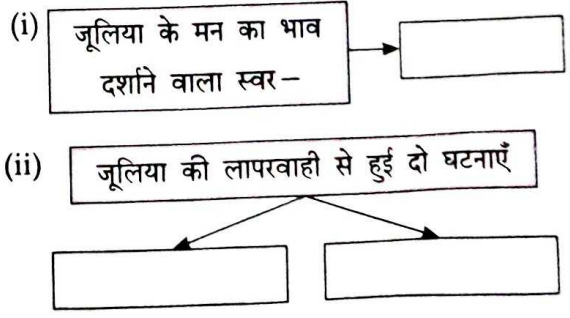
प्रश्न. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

कृति 1 : (आकलन कृति)

* (1) परिच्छेद पर आधारित दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों :

- (i) वान्या (ii) रूबल।

(2) आकृति पूर्ण कीजिए :



परिच्छेद क्र. 2 (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 15-16)

जूलिया : (दबे स्वर में) जी, आप जी मुन रही हैं।

शब्दावली

नागा - वह दिन जिसमें किसी ने काम न किया हो।
घटाना - कम करना। कीमती - मूल्यवान। भाग्य - तकदीर।
बढ़ा - भाग्य में लिखा हुआ। भला - कल्याण। कसर - कमी।
टहनी - डाली। खर्गोच - त्वचा का किसी चीज से छिल जाना।

उत्तर

- (1) (i) कोल्या के अलावा जूली से कौन पढ़ता था?
(ii) रूसी मुद्रा का नाम क्या है?

- (2) (i) जूलिया के मन का भाव
दशनि वाला स्वर - गेता हुआ स्वर

- (ii) जूलिया की लापरवाही से हुई दो घटनाएँ -

खर्गोच लगने से बच्चे
की जैकेट फटना।

वान्या के नए जूते
चुरा लिए जाने।

कृति 2 : (आकलन कृति)

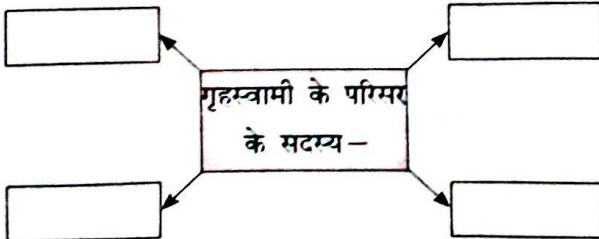
- (1) आकृति पूर्ण कीजिए :

- (i) वर्ष के लिए जिस तिथि
का महत्त्व होता है, वह -

- (ii) वह मूल्यवान चीज, जिसके
नुकसान का उल्लेख हुआ है -

- (2) संजाल पूर्ण कीजिए :

- (i)



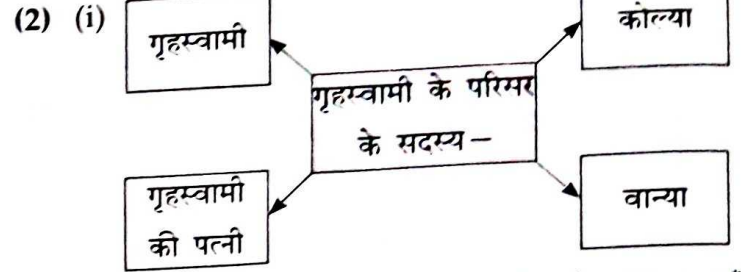
- (ii) उत्तर लिखिए :

- गृहस्वामी द्वारा खुद को अच्छा साबित करने के लिए कहा गया वाक्य -

उत्तर

- (1) (i) वर्ष के लिए जिस तिथि
का महत्त्व होता है, वह - पहली जनवरी
(ii) वह मूल्यवान चीज, जिसके
नुकसान का उल्लेख हुआ है -

प्याली



- (ii) 'मैंने जिसका भला करना चाहा, उसने मुझे नुकसान पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।'

कृति 3 : (शब्द संपदा कृति)

- (1) पाठ में प्रयुक्त अंकों का उपयोग करके मुहावरे लिखिए :
सात, दस।

- (2) नीचे दिए गए विरामचिह्नों के नाम लिखिए :

- (i) ; (ii) () (iii) |

- (3) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्न लगाइए :

- * (i) इसके अलावा तुमने तीन छुट्टियाँ और ली हैं ठीक है न
(ii) तुम मेरी बात सुन भी रही हो या नहीं

उत्तर

- (1) मुहावरे

- सात : (1) सात परदे में रखना -

अर्थ : अच्छी तरह छिपा कर रखना।

- (2) सात-पाँच करना -

अर्थ : हुज्जत करना।

- दस : (1) दसों उँगलियाँ घी में होना।

अर्थ : खूब लाभ होना।

- (2) दसों नख जोड़ना -

अर्थ : मिन्नत, खुशामद करना।

- (2) (i) ; अर्धविराम (ii) () छोटा कोष्ठक

- (iii) | पूर्णविराम।

- (3) (i) इसके अलावा तुमने तीन छुट्टियाँ और ली हैं। ठीक है न?

- (ii) तुम मेरी बात सुन भी रही हो या नहीं?

कृति 4 : (स्वमत अभिव्यक्ति)

* • 'कई बार अज्ञान के कारण गरीबों को ठगा जाता है, यह देख कर मेरे मन में विचार आए.....'

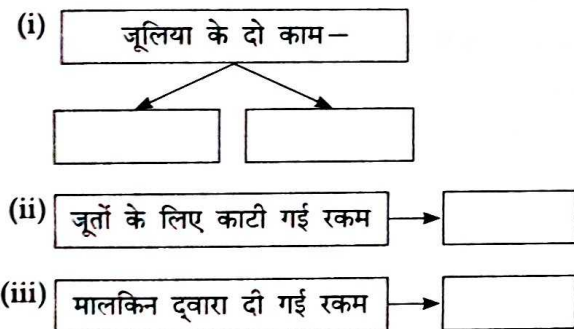
उत्तर : गरीबी सबसे बड़ा अभिशाप है। गरीबों को न चाहते हुए भी मजबूरी में शोषण का शिकार होना पड़ता है। लोग उनकी मजबूरी का फायदा उठाते हुए उन पर तरह-तरह के अन्याय करते हैं। इस बात को जानते हुए भी वे चुप रहते हैं। उनकी यह खामोशी लोगों को उन पर और अत्याचार करने का निमंत्रण देती है। गरीबों को अन्याय का विरोध करने का यथाशक्ति साहस करना चाहिए। उनमें जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्हें अपनी दबबूपन की प्रवृत्ति त्यागनी होगी और अपने अधिकारों को समझना और उसके लिए दृढ़तापूर्वक अडिग रहना चाहिए।

परिच्छेद क्र. 3

प्रश्न. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

कृति 1 : (आकलन कृति)

(1) आकृति पूर्ण कीजिए :



(2) उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

- जूलिया अपने काम में ढील देगी, तो -----
- (अ) उसे नौकरी से निकाल दिया जाएगा।
- (ब) उसके पैसे कट जाएँगे।
- (क) उसे देर तक काम करना पड़ेगा।

परिच्छेद क्र. 3 (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 16-17)

गृहस्वामी : हाँ ठीक है ----- (काँपते हुए स्वर में) जी धन्यवाद।

शब्दार्थ

ढील - ढिलाई, सुस्ती। यकीन - विश्वास। अनर्थ - भारी अन्याय, बुरा।

उत्तर

- (1) (i) जूलिया के दो काम—
- ```

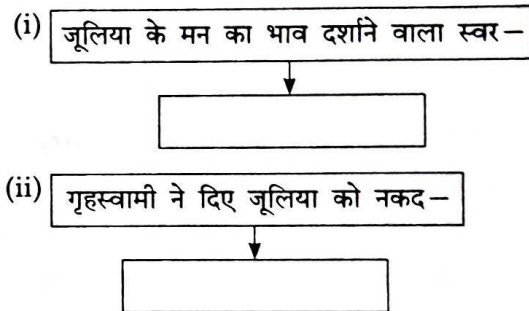
 graph TD
 A[जूलिया के दो काम—] --> B[बच्चों को पढ़ाना]
 A --> C[बच्चों की देखभाल करना]

```
- (ii) जूतों के लिए काटी गई रकम → पाँच रूबल
- (iii) मालकिन द्वारा दी गई रकम → तीन रूबल
- (2) जूलिया अपने काम में ढील देगी, तो उसके पैसे कट जाएँगे।

#### कृति 2 : (आकलन कृति)

(1) परिच्छेद पर आधारित दो ऐसे प्रश्न बना कर लिखिए जिनके उत्तर निम्नलिखित हों :

- (i) चौदह (ii) दस जनवरी को।
- (2) आकृति पूर्ण कीजिए :



#### उत्तर

- (1) (i) इकतालीस में से सत्ताईस घटाने पर कितने बचे?
- (ii) गृहस्वामी के अनुसार जूलिया को दस रूबल कब दिए गए?
- (2) (i) जूलिया के मन का भाव दर्शाने वाला स्वर—
- ```

    graph TD
      A[जूलिया के मन का भाव दर्शाने वाला स्वर—] --> B[काँपता हुआ स्वर]
  
```
- (ii) गृहस्वामी ने दिए जूलिया को नकद—
- ```

 graph TD
 A[गृहस्वामी ने दिए जूलिया को नकद—] --> B[ग्यारह रूबल]

```

#### कृति 3 : (शब्द संपदा कृति)

(1) परिच्छेद में प्रयुक्त मुहावरा ढूँढकर उसका अर्थ लिखिए और उसे सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए।

\* (2) नीचे दिए गए विरामचिह्नों के नाम लिखिए :

- (i) [ ] (ii) “ ”



\* (3) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्न लगाइए :

- (i) अरे क्या मैं झूठ बोल रहा हूँ
- (ii) आप कह रहे हैं तो आपने दिए ही होंगे
- (iii) अच्छा और इतनी बड़ी बात तुम्हारी मालकिन ने मुझे बताई तक नहीं
- (iv) जी धन्यवाद

उत्तर

(1) मुहावरा – आँसू पीना।

अर्थ : असमर्थता के कारण शांत बैठ जाना।

वाक्य : उस आततायी के सामने उसकी एक न चली और उसे आँसू पी जाना पड़ा।

(2) (i) [ ] बड़ा कोष्ठक (ii) [“...”] दोहरा अवतरण चिह्न।

(3) (i) अरे क्या मैं झूठ बोल रहा हूँ?

(ii) आप कह रहे हैं तो आपने दिए ही होंगे।

(iii) अच्छा... और इतनी बड़ी बात तुम्हारी मालकिन ने मुझे बताई तक नहीं।

(iv) जी धन्यवाद!

कृति 4 : (स्वमत अभिव्यक्ति)

● ‘जीवन में डायरी का महत्त्व’ विषय पर 8 से 10 वाक्यों में अपने विचार लिखिए।

उत्तर : डायरी लिखने की परंपरा बहुत पुरानी है। डायरी में अपने दिन भर के किए गए कार्यों तथा घटनाओं का वर्णन लिखा जाता है। डायरी में लोग अपनी निजी बातें भी लिखते हैं। धीरे-धीरे डायरी काफी भर जाती है, तो इसमें लिखी गई बातें पढ़ने से अपनी गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है। लोग डायरियों को बहुत सँभाल कर रखते हैं। महान व्यक्तियों के महान बनने में डायरियों का बड़ा योगदान रहा है। महापुरुषों की आत्मकथा में डायरी में लिखी हुई घटनाओं का उल्लेख होता है। मनुष्य के जीवन में अनेक शुभ-अशुभ घटनाएँ घटती हैं। इन सारी घटनाओं को याद रखना असंभव होता है। इन्हें याद रखने में डायरी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस तरह हमारे जीवन में डायरी का बहुत महत्त्व है।

परिच्छेद क्र. 4

प्रश्न. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

कृति 1 : (आकलन कृति)

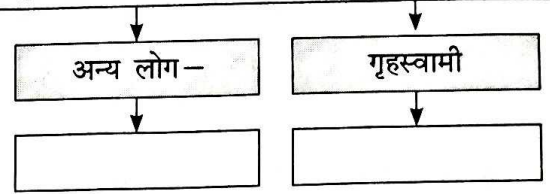
\* (1) कारण लिखिए :

(i) गृहस्वामी द्वारा जूलिया से माफी माँगना –

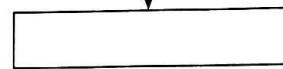
(ii) गृहस्वामी का जूलिया को संसार के साथ लड़ने के लिए कहने का कारण –

(2) आकृति पूर्ण कीजिए :

(i) जूलिया द्वारा अन्य लोगों की गृहस्वामी से तुलना –



(ii) गृहस्वामी का जूलिया से क्रूर मजाक करने का उद्देश्य –



परिच्छेद क्र. 4 (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 17)

गृहस्वामी : (गुस्से से तुललाने लगता है)

कोई स्थान नहीं है...

शब्दार्थ

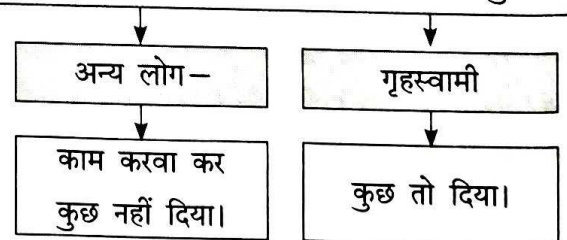
क्रूर – निर्दय। रूबल – रूस की मुद्रा। भला – अच्छा। भीरु – डरपोक। खामोश – चुप, मौन। हृदयहीन – करुणाहीन, पत्थर दिल।

उत्तर

(1) (i) जूलिया के साथ क्रूर मजाक करना।

(ii) ताकि वह अपने आप को बचाए रख सके।

(2) (i) जूलिया द्वारा अन्य लोगों की गृहस्वामी से तुलना –

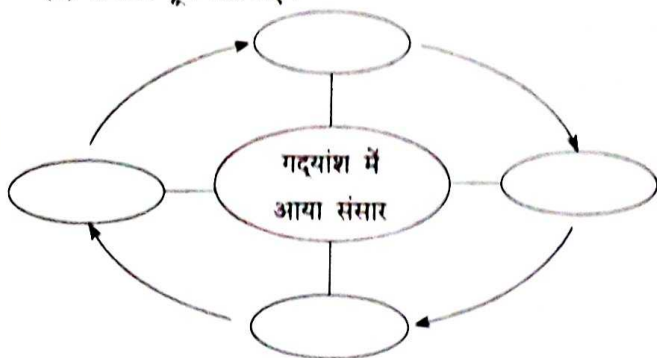


(ii) गृहस्वामी का जूलिया से क्रूर मजाक करने का उद्देश्य –

जूलिया को सबक सिखाना

## कृति 2 : (आकलन कृति)

\* (1) संजाल पूर्ण कीजिए :

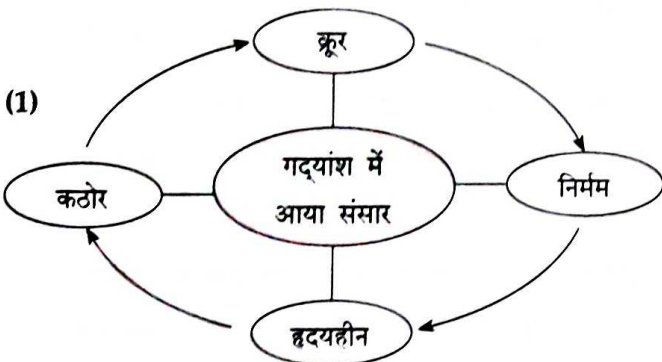


(2) आकृति पूर्ण कीजिए :

(i) निर्दय संसार से लड़ने के हथियार -

(ii) संसार में जिनके लिए कोई स्थान नहीं है, वे -

**उत्तर**



(2) (i) निर्दय संसार से लड़ने के हथियार -

दाँत

पंजे

(ii) संसार में जिनके लिए कोई स्थान नहीं है, वे -

दब्यू

रीढ़ रहित लोग

## कृति 3 : (शब्द संपदा कृति)

\* (1) परिच्छेद में प्रयुक्त कोई एक मुहावरा ढूँढ़कर उसका सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए।

\* (2) नीचे दिए गए विरामचिह्नों के नाम लिखिए :

(i) - (ii) . (iii) —

\* (3) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्न लगाइए :

(i) स्त्री शिक्षा को लेकर लेखक के क्या विचार थे

(ii) श्याम तुम आ गए

(iii) मोहन बोला तुमने जो कुछ कहा ठीक है

(4) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए :

(i) पर = (1) ..... (2) .....

(ii) जरा = (1) ..... (2) .....

**उत्तर**

(1) मुहावरा - सबक सिखाना।

अर्थ : दंड देना।

वाक्य : पुलिस ने लोगों को धमकाने वाले गुंडे को अच्छा सबक सिखाया।

(2) (i) - योजक चिह्न (ii) . लाघव/संक्षेप चिह्न

(iii) — निर्देशक चिह्न।

(3) (i) स्त्री शिक्षा को लेकर लेखक के क्या विचार थे?

(ii) श्याम, तुम आ गए!

(iii) मोहन बोला, "तुमने जो कुछ कहा, ठीक है।"

(4) (i) पर = (1) लेकिन (2) पंख।

(ii) जरा = (1) थोड़ा (2) बुढ़ापा।

## कृति 4 : (स्वमत अभिव्यक्ति)

\* • 'संसार में दब्यू और रीढ़रहित लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है,' इस विषय पर 8 से 10 वाक्यों में अपने विचार लिखिए।

उत्तर : लकड़हारा भी जंगल में लकड़ी काटने जाता है, तो वह सीधे पेड़ को ही काटने की तलाश करता है। टेढ़े पेड़ को वह भी छोड़ देता है। यही हाल मनुष्यों का भी है। भले लोगों पर कोई भी अन्याय करने से नहीं चूकता। भला आदमी अपनी भलमनसाहत के कारण छोटे-मोटे अन्याय का विरोध करना उचित नहीं समझता। पर लोग इसका उल्टा अर्थ लगाते हैं। इस तरह के व्यक्ति को लोग दब्यू और बिना रीढ़ का समझने लगते हैं और उन्हें ऐसे लोगों के साथ अन्याय करने में झिझक नहीं होती। यह बात भले लोगों को समझने की जरूरत है। आज जरूरत है, अपने आप को बचाए रखने के लिए, कठोर, क्रूर, निर्मम और हृदयहीन संसार से अपने हित के लिए लड़ने की। शोषण करने वालों को मुँह की खिलाने की। तभी कोई संसार में सम्मान से जीवित रह सकता है। दब्यू और बिना रीढ़ के लोगों के लिए संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखना मुश्किल है



1. शब्दभेद :

(1) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) निर्मम (ii) अन्याय।

उत्तर : (i) इस निर्मम संसार से लड़ना जरूरी है।

(ii) किसी के हक के पैसे न देना अन्याय है।

(2) निम्नलिखित वाक्यों में अधोरेखांकित शब्दों के भेद पहचानिए :

(i) मैं तुमसे कुछ पूछना चाहता हूँ।

(ii) तुम्हें हमारे यहाँ काम करते हुए दो महीने हुए हैं।

उत्तर : (i) क्रियाविशेषण अव्यय (ii) विशेषण।

2. अव्यय :

(1) निम्नलिखित अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) अरे (ii) क्योंकि (iii) साथ।

उत्तर :

(i) अरे मैं क्या झूठ बोल रहा हूँ।

(ii) जूलिया रोने लगी, क्योंकि गृहस्वामी ने उसे ठग लिया था।

(iii) विद्या अपने भाई के साथ विद्यालय गई।

(2) निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय पहचानकर उनके भेद लिखिए :

(i) मुझे अभी तक एक ही बार कुछ पैसे मिले थे और वो मुझे मालकिन ने दिए थे।

(ii) जूलिया बहुत रोई।

उत्तर : (i) और - समुच्चयबोधक अव्यय।

(ii) बहुत - क्रियाविशेषण अव्यय।

3. काल परिवर्तन :

• निम्नलिखित वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए :

(i) मैं हर गर्वनेस को तीस रूबल महीना ही देता हूँ।

(अपूर्ण भूतकाल)

(ii) मैं क्या गलत कह रहा हूँ। (सामान्य वर्तमानकाल)

(iii) तुम्हें इसी के तो पैसे मिलते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

उत्तर : (i) मैं हर गर्वनेस को तीस रूबल महीना ही दे रहा था।

(ii) मैं क्या गलत कहता हूँ।

(iii) तुम्हें इसी के तो पैसे मिलेंगे।

4. संधि :

• तालिका पूर्ण कीजिए :

| संधि     | संधिविच्छेद | संधिभेद |
|----------|-------------|---------|
| सूर्योदय | -----       | -----   |
| -----    | उत् + नति   | -----   |
| संकल्प   | -----       | -----   |

उत्तर :

| संधि     | संधिविच्छेद | संधिभेद     |
|----------|-------------|-------------|
| सूर्योदय | सूर्य + उदय | स्वर संधि   |
| उन्नति   | उत् + नति   | व्यंजन संधि |
| संकल्प   | सम् + कल्प  | व्यंजन संधि |

5. वाक्यभेद :

• अर्थ के आधार पर वाक्यों के प्रकार लिखिए :

(i) क्या तुम मेरी बात सुन रही हो ?

(ii) यहाँ बैठो जूलिया।

(iii) पहली जनवरी को तुमने चाय की प्लेट तोड़ी थी।

उत्तर : (i) प्रश्नार्थक वाक्य (ii) आज्ञार्थक वाक्य

(iii) विधानार्थक वाक्य।

6. मुहावरे :

(1) मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) कसर न छोड़ना (ii) आँसू पीना (iii) हड़प लेना।

उत्तर : (i) कसर न छोड़ना -

अर्थ : पूरा-पूरा प्रयत्न करना।

वाक्य : सीमा पर भारतीय सैनिक पाकिस्तानी आतंकवादियों को भगाने में कोई कसर नहीं छोड़ते।

(ii) आँसू पीना -

अर्थ : घोर दुख होने पर भी शांत रहना।

वाक्य : गृहस्वामी ने नौकरानी पर काफी अन्याय किया, पर वह आँसू पी कर रह गई।

(iii) हड़प लेना -

अर्थ : छीन लेना।

वाक्य : चीन ने हमारे देश की काफी भूमि हड़प ली है।

(2) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए गए उचित

मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :

(ठग लेना, सीमा में बंध जाना, सबक सिखाना)

(i) दुकानदार ने ग्राहक को धोखा दे दिया।

(ii) पुलिस ने गुंडे को अच्छा दंड दिया।

उत्तर : (i) दुकानदार ने ग्राहक को ठग लिया।

(ii) पुलिस ने गुंडे को सबक सिखाया।

## 7. वाक्य शुद्धिकरण :

• वाक्य शुद्ध करके लिखिए :

(i) जूलिया, तुमने तीन छुट्टी और ले लिया है।

(ii) आप कह रहे हैं, तो आपने दी ही होगी।

उत्तर : (i) जूलिया तुमने तीन छुट्टियाँ और ले ली हैं।

(ii) आप कह रहे हैं, तो आपने दिए ही होंगे।

## 8. प्रधान क्रिया :

• प्रधान क्रिया छाँटकर लिखिए :

(i) महेश पुस्तक पढ़ रहा है। (ii) नलिन शाम से सो रहा है।

उत्तर : (i) पढ़-पढ़ना। (ii) सो-सोना।

## 9. सहायक क्रिया :

(1) निम्नलिखित सहायक क्रियाओं का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) सकना (ii) लाना।

उत्तर : (i) जूलिया तुम उन लोगों से एक पैसा नहीं ले सकी।

(ii) मैं कल अपना सामान उठा लाऊँगा।

(2) निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रियाएँ छाँटकर लिखिए :

(i) लो, अपने ग्यारह रूबल सँभाल लो।

(ii) जूलिया, मैंने तुम्हें धोखा दिया है।

उत्तर : (i) लो (लेना) (ii) है (होना)।

## 10. प्रेरणार्थक क्रिया :

• निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम प्रेरणार्थक और द्वितीय

प्रेरणार्थक रूप लिखिए :

(i) लड़ना (ii) देना (iii) पढ़ना।

उत्तर :

| क्रिया      | प्रथम प्रेरणार्थक | द्वितीय प्रेरणार्थक |
|-------------|-------------------|---------------------|
| (i) लड़ना   | लड़ाना            | लड़वाना             |
| (ii) देना   | दिलाना            | दिलवाना             |
| (iii) पढ़ना | पढ़ाना            | पढ़वाना             |

## 11. कारक :

• रेखांकित शब्दों का कारक पहचान कर उसका भेद लिखिए :

(i) मैं हम गवर्नेस को तीस रूबल ही देता हूँ।

(ii) मेरे भाग्य में तो हमेशा नुकसान उठाना ही बढ़ा है।

(iii) इतनी बड़ी बात तुम्हारी मालकिन ने मुझे बताई तक नहीं।

उत्तर : (i) गवर्नेस को – कर्म कारक (ii) भाग्य में – अधिकरण कारक (iii) मालकिन ने – कर्ता कारक।

## 12. विरामचिह्न :

• निम्नलिखित विरामचिह्नों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i)  : (ii)  ।

उत्तर : यातायात के तीन मार्ग हैं :

(i) स्थल मार्ग (ii) जल मार्ग (iii) आकाश मार्ग।

## उपक्रम/कृति/परियोजना

• **संभाषणीय** – पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 15

नौकरीपेशा अभिभावकों को अपने बच्चे शिशु-पालन केंद्र में रखने पड़ते हैं—इस संदर्भ में चर्चा कीजिए :

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

- बच्चों को केंद्र में रखने के कारणों पर चर्चा करें।
- बच्चों को वहाँ भेजने पर उनके मन में जो विचार आते होंगे—स्पष्ट करने के लिए कहें।
- इस समस्या का हल पूछें।

• **श्रवणीय** – पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 16

दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले 'हास्य कवि सम्मेलन' की कविताएँ सुनिए और किसी एक कविता का आशय अपने मित्रों को सुनाइए।

• **आसपास** – पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 16

घरेलू काम करने वाले लोगों की समस्याओं की सूची बनाइए।

- गरीबी • पारिवारिक माहौल (नशा आदि) • अशिक्षा
- निवास, जल, भोजन की समस्या। • अस्वस्थ परिसर
- गृहस्वामियों द्वारा शोषण। • नियमित रोजगार का अभाव।
- क्रूर, निर्मम, हृदयहीन लोगों से वास्ता पड़ना।

• **पाठ से आगे** – पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 18

परिचारिका पाठ्यक्रम नर्सिंग कोर्स संबंधी जानकारी अंतरजाल से प्राप्त कीजिए और आवश्यक अहंता संबंधी चर्चा करें।

• **पठनीय** – पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 17

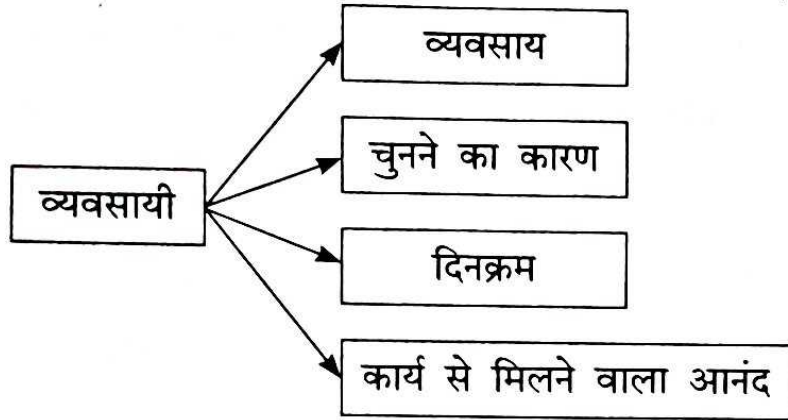
किसी अन्य पाठ्यपुस्तक से एकांकी पढ़िए।



## रचना विभाग

### ● लेखनीय - पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 16

छोटे व्यवसायिकों के साथ दिए गए मुद्दों के आधार पर वार्तालाप कीजिए और संवाद के रूप में लिखिए :



विद्यार्थी : वाह! कितनी सुगंध है इन फूलों में।

पौधा-विक्रेता : तुम्हें अच्छे लगते हैं फूल?

विद्यार्थी : हाँ! बहुत अच्छे लगते हैं। कहाँ से लाते हैं, इन्हें?

पौधा-विक्रेता : लाता नहीं हूँ, अपने झोंपड़े के सामने इन्हें उगाता हूँ खुद।

विद्यार्थी : वैसे, करते क्या हैं आप।

पौधा-विक्रेता : पौधे उगाना और उन्हें बेचना। यही काम।

विद्यार्थी : यह काम करने की बात आपके दिमाग में कैसे आई?

पौधा-विक्रेता : गाँव में थोड़ा बहुत खेत था, तो रात-दिन पौधों से ही वास्ता पड़ता था। इस शहर में और क्या काम मिलता! इसे ही अपना लिया।

विद्यार्थी : इसमें कितना समय देते हैं आप?

पौधा-विक्रेता : पूरा दिन लगता है। इन्हीं पौधों की सेवा करता हूँ और इन्हें बेचकर पेट पालता हूँ।

विद्यार्थी : यह काम करते हुए आपको कैसा लगता है?

पौधा-विक्रेता : बहुत आनंद आता है। बाबू लोगों के घरों में अपने दिए हुए पौधे देखकर खुश हो जाता हूँ। क्या तुम्हें भी चाहिए कोई पौधा?

विद्यार्थी : हाँ! हाँ, दे दीजिए यह गुलाब का पौधा।